अनौपचारिक शिक्षा योजना की समीक्षा

1780. **श्री ईश दत्त यादव :** क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अनौपचारिक शिक्षा हेतु विद्यार्थियों का प्रवेश संतोषजनक नहीं है ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या सरकार ने इन योजनाओं की समीक्षा करवायी है ;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) यदि नही, तो उनकी समीक्षा न करवाए जाने के क्या कारण हैं?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उपमंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) जी, हां । राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986, कार्य योजना 1992 और उसके प्रत्युत्तर में प्राप्त सूचना के अनुसरण में, इस योजना की समीक्षा की गई और 1987 में और फिर पुन. 1993 में इसे संशोधित किया गया।

(घ) संशोधित योजना में परियोजनाकरण, प्रबंध का अधिक वित्तीय और प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण, गहन प्रशिक्षण, तकनीकी अध्ययन सामग्री के विकास और अनौपचारिक शिक्षा पाठ्यक्रमों की सीमिस्टर पद्धति तैयार करने की परिकल्पना की गई है। लागत मानदण्डों को संशोधित किया गया है और लड़कियों के अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों का अनुपात 25 : 75 से बढ़ाकर 40 : 60 कर दिया गया है, महिला-शिक्षा केन्द्रों, प्रशासनिक और संशोधन सहयोग के लिए केन्द्रीय सहायता का स्वरूप 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया गया है, जबकि लड़कियों के केन्द्रों के लिए 90 प्रतिशत है।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता।

Purchase of Nizam's Jewellery

1761. SHRI INDER KUMAR GUJRAL: Will the Minister for HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have recently purchased Nizam's Jewellery collection at a cost of about Rs. 217 crores.

(b) if so, what are the details thereof and the reasons that have prompted Government to go in for purchases; and

(c) whether Government propose to establish a special museum for display of jewellery and other valuable items in Delhi and Hyderabad?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) (KUM. SELJA):(a) Yes. Sir.

(b) The Supreme Court in its order dated 20.10.94, gave option to the Central Government for purchase of 173 jewellery items by making payment in lump sum by 31.12.94 and subsequently in their order dated 29-12-94 extended time upto 16.1.95. The Government has acquired 173 items of jewellery belonging to the two trusts of the erstwhile Nizam of Hyderabad. A sum of Rs. 180,37,33,959/- and 6 per cent interest theroen from 27.7.91 to 10.1-95 was paid to the trusts. The Government decided that the jewels/jewellery of the Nizam being art treasures and heritage items should not be allowed to be taken out of the country and they should be acquired by the Government for public view.

(c) There is already a jewellery gallery established in National Museum, New Delhi. These items of jwellery are being kept for display in that Museum, for public view.

Corruption in Delhi University

1782. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government have made any study of the Book "The Drunk Tantra" by Dr. Ranga Rao highlighting the corruption and malpractices in the Delhi University and most of its affiliated colleges;

(b) if so, what is the reaction of Government with regard to the various ills of the Delhi University and the scenario in most of the colleges;

(c) whether Government propose to set up a high level committee to go into the various issues raised in the book; and

(d) if so, what steps have been taken by Government in this regard and if not what are the reasons for not going in depth about the functioning of Delhi University?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE (KM. SELJA): (a) The Government in the Ministry of Human Resource Development (Department of Education) has no information about the book in question.

(b) to (d) Do not arise.

विदेशों में अध्ययनरत छात्र

1783. **श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी**: क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष में उच्च तथा तकनीकी अध्ययन के लिये बाहर भेजे गये छात्रों की राज्य-वार संख्या कितनी है;

(ख) इनमें से कितने छात्र अपना अध्ययन पूरा करके स्वदेश लौट चुके है;

(ग) कितने छात्र अपना अध्ययन पूरा करने के बाद अभी भी विदेशों मे ही रह रहे है;

(घ) अध्ययन के लिए विदेश जाने वाले प्रत्येक छात्र पर सरकार द्वारा कितनी औसत धनराशि खर्च की गई; और

(ङ) कितने छात्र अपना अध्ययन पूरा करके वापस आये और रोजगार प्राप्त करने में सफल हुए?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उपमंत्री (कुमारी शैलजा). (क) छात्रों की एक बड़ी संख्या स्वयं उच्च अध्ययनों के लिये विदेश जाते हैं। उनके बारे में सूचना एकत्र करना और रखना सरकार के लिए सम्भव नहीं है।

जहां तक मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग में सरकार का संबंध है, यह केन्द्रीय सरकार/विदेशों द्वारा प्रदत्त कुछ छात्र-वृत्तियां/अध्यता-वृत्तियां संचालित करती हैं। पिछल तीन वर्षों के दौरान, इन कार्यक्रमों के अन्तर्गत उच्च अध्ययन/तकनीकी शिक्षा के लिए 450 छात्रों को विदेश भेजा गया। शोध-छात्रों का चयन अखिल भारतीय आधार पर किया जाता है, न कि राज्य के आधार पर।

(ख) और (ग) उक्त 450 छात्रों में से 85 छात्र अपना अध्ययन पूरा करके वापस आ गये हैं। अन्य छात्रों को अपना अध्ययन पूरा करने के पश्चात् वापस आने की संभावना है।